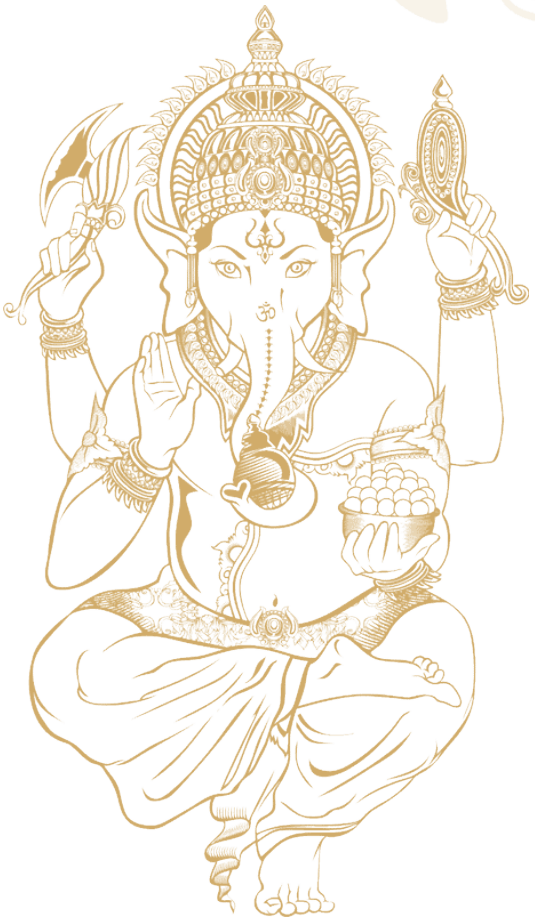

Manasvi Shree

06 Jan 2026

01:35 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121343005

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/01/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:35:00 घंटे**
इष्ट	15:49:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:45 घंटे
साम्पातिक काल	20:17:33 घंटे
सूर्योदय	07:15:12 घंटे
सूर्यास्त	17:38:58 घंटे
दिनमान	10:23:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:47:02 धनु
लग्न के अंश	22:04:27 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:04:27	435:55:11	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	21:47:02	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	00:44:20	13:44:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	22:33:55	00:46:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	12:39:20	01:33:27	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:25:41	00:08:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	21:41:57	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			मीन	02:16:41	00:03:59	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:04:46	00:02:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:04:46	00:02:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:35:25	00:01:26	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:21:31	00:00:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:39:34	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	07:54:18	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

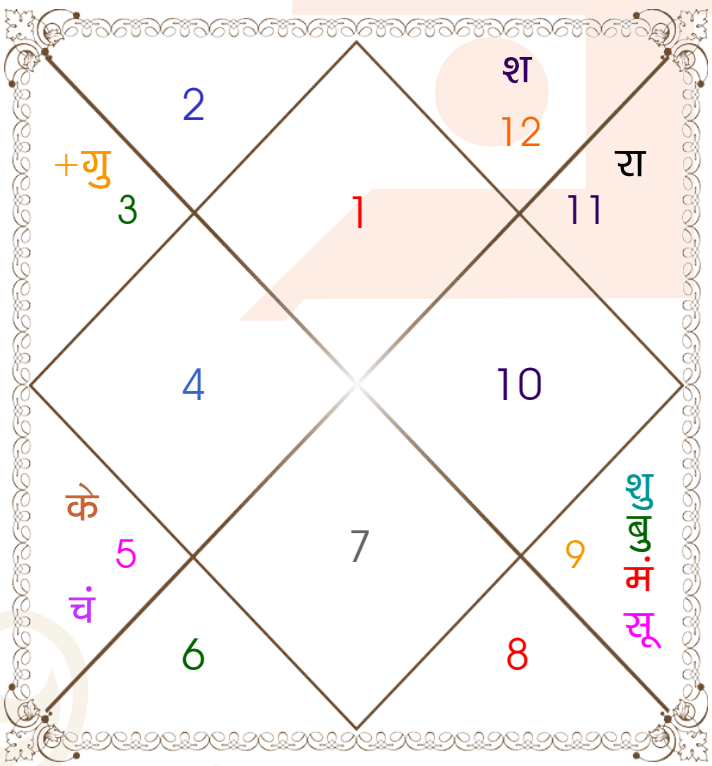

चन्द्र कुंडली

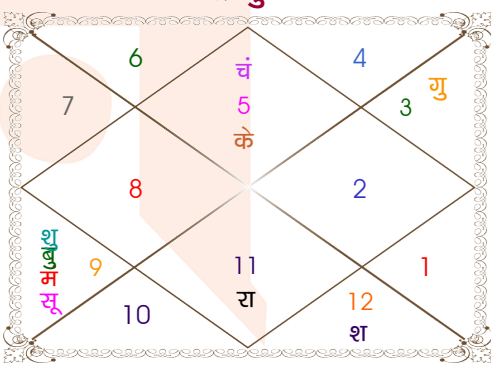

नवमांश कुंडली

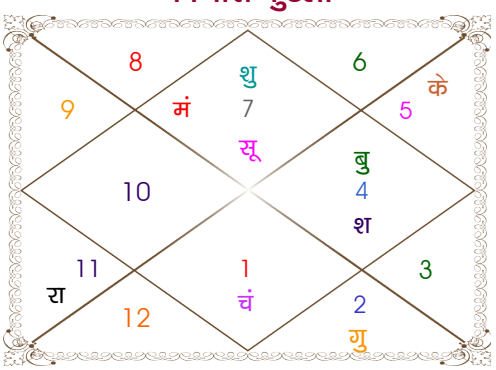

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 7 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/01/2026		17/08/2032		17/08/2052		18/08/2058		17/08/2068	
17/08/2032		17/08/2052		18/08/2058		17/08/2068		18/08/2075	
केतु	13/01/2026	शुक्र	18/12/2035	सूर्य	05/12/2052	चंद्र	18/06/2059	मंगल	13/01/2069
शुक्र	16/03/2027	सूर्य	17/12/2036	चंद्र	05/06/2053	मंगल	17/01/2060	राहु	01/02/2070
सूर्य	21/07/2027	चंद्र	18/08/2038	मंगल	11/10/2053	राहु	18/07/2061	गुरु	08/01/2071
चंद्र	20/02/2028	मंगल	18/10/2039	राहु	05/09/2054	गुरु	17/11/2062	शनि	16/02/2072
मंगल	18/07/2028	राहु	17/10/2042	गुरु	24/06/2055	शनि	17/06/2064	बुध	13/02/2073
राहु	05/08/2029	गुरु	17/06/2045	शनि	05/06/2056	बुध	17/11/2065	केतु	12/07/2073
गुरु	12/07/2030	शनि	17/08/2048	बुध	12/04/2057	केतु	18/06/2066	शुक्र	11/09/2074
शनि	21/08/2031	बुध	18/06/2051	केतु	17/08/2057	शुक्र	16/02/2068	सूर्य	17/01/2075
बुध	17/08/2032	केतु	17/08/2052	शुक्र	18/08/2058	सूर्य	17/08/2068	चंद्र	18/08/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/08/2075		17/08/2093		18/08/2109		18/08/2128		18/08/2145	
17/08/2093		18/08/2109		18/08/2128		18/08/2145		00/00/0000	
राहु	30/04/2078	गुरु	06/10/2095	शनि	21/08/2112	बुध	15/01/2131	केतु	07/01/2146
गुरु	23/09/2080	शनि	18/04/2098	बुध	01/05/2115	केतु	12/01/2132		00/00/0000
शनि	31/07/2083	बुध	25/07/2100	केतु	09/06/2116	शुक्र	12/11/2134		00/00/0000
बुध	16/02/2086	केतु	01/07/2101	शुक्र	10/08/2119	सूर्य	18/09/2135		00/00/0000
केतु	06/03/2087	शुक्र	01/03/2104	सूर्य	22/07/2120	चंद्र	17/02/2137		00/00/0000
शुक्र	06/03/2090	सूर्य	18/12/2104	चंद्र	20/02/2122	मंगल	14/02/2138		00/00/0000
सूर्य	29/01/2091	चंद्र	19/04/2106	मंगल	01/04/2123	राहु	02/09/2140		00/00/0000
चंद्र	30/07/2092	मंगल	26/03/2107	राहु	05/02/2126	गुरु	09/12/2142		00/00/0000
मंगल	17/08/2093	राहु	18/08/2109	गुरु	18/08/2128	शनि	18/08/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 7 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।